

समय को भरोसो कोणी कैद पलटी मार जाव

समय को भरोसो कोनी कद पलटी मार जावे

तुलसी नर का क्या बड़ा, और समय बड़ा बलवान,
काबा लूटी गोपिया, वही अर्जुन वही बाण।
समय समय में होत है, और समय समय की बात,
एक समय का दिन बड़ा, एक समय की रात।।

कदि कदि गाडरा सु सिंघ हार जावे,
कदि कदि भेडीया सु सिंघ हार जावे,
समय को भरोसो कोणी कद पलटी मार जावे।।

गुरु वशिष्ठ महामुनी ग्यानी, लिख लिख बात बतावे,
श्री राम जंगल मे जावे, किस्मत पलटी खावे,
राजा दशरथ प्राण त्याग दे, हाथ लगा नी पावे,
समय को भरोसो कोणी कदे पलटी मार जावे।।

राजा हरिश्चन्द्र रानी तारावती रोहिता से कँवर कहावे,
ऐसो खेल रच्यो म्हारा दाता, तीनो ही बिकवा जावे,
एक हरिजन एक ब्राम्हण घर, एक कुबजा घर जावे,
समय को भरोसो कोनी कदे पलटी मार जावे।।

राजा की बेटी पदमा कहिये मोर लार परणावे,
मोर जाये जंगल में मर गयो किस्मत पलटी खावे,
मैहर भयी शिवजी की ऐसी, मोर को मर्द बणावे,
समय को भरोसो कोनी कद पलटी मार जावे।।

राजा भरत री रानी पिंगला, मेहला मे सुख पावे,
शिकार खेलने राजा भरत जी जगल माई जावे,
गोरखनाथ गुरु ऐसा मिलेया, राजा जोगी बन जावे,
समय को भरोसो कोणी कदे पलटी मार जावे।।

गुरु कहे ममता की बाणी, अमृत रस बरसावे,
म्हारो मनडो कयो नई माने, फिर फिर गोता खावे,
हरिदास गुरु मिलेया पूरा, रामदास जस गावे,
समय को भरोसो कोनी कदे पलटी मार जावे।।

समय को भरोसो कोनी कद पलटी मार जावे *****मनोज शर्मा श्री बाला जी ***** 8290504628 / 7425046948

<https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2460/title/samaye-ko-baroso-koni-kd-palti-mar-jawe>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |